



दुर्लक्ष के पास जुमेराह आइलैंड पर अटलाटिस द रॉयल नामक लांजरी रिसोर्ट बनाया गया है। इस रिसोर्ट के नाम के साथ का नोट अटला लांजरी पूर्वार्पित रिसोर्ट का तमगा जुड़ा हुआ है। इस रिसोर्ट की शुरुआत साल 2023 जनवरी में हुई थी। रिसोर्ट की लांजरी वेलनेस प्रोब्रॉड कंपने के मुकाबले से बनाया गया है।

लुई वितो, वेलेटिनो जैसे ब्राउंड भी यहां

रिसोर्ट 6 अलग-अलग टावरों से गिलकर बना है। प्रत्येक टावर कुछ लांजरी के लॉक जैसा नजर आता है। 43 मंजिल वह रिसोर्ट की ऊंची 178 मीटर का है। इसमें 795

लांजरी कमरे हैं। इसमें कमीब 44 पैट हाउस व सुट्टों में बाहर नहीं है। इसके साथ ही 17 में ज्यादा रेस्तरां बाहर गए हैं। इस रिसोर्ट में 90 रिपिंग पूल भी है, जो रिसोर्ट की शुरुआत में तुम्हें दिखाई देती है। इसमें 100 साल पुराने आंतिम पैटों से सजाया गया है। इस सुट्टों में 12-16 लॉगों के रुपें की व्यवस्था हो सकती है। यहां एक रात रुपाने का किंवद्धा नामी 83 लाख रुपए है। यह दुनिया का सबसे बहुगत लांजरी सुट्ट बनाता है। यह सुट्टों की ऊंची 11 हजार वर्गफीट में फैलता हुआ है।

100 साल पुराने ऑलिंप पेट का उपयोग इस रिसोर्ट में 17 रेस्तरां हैं, जो इसे लॉगों का सबसे बड़ा सेल्फीटी रेस्तरां कलेक्शन बनाता है। इसके साथ ही बहु

द रॉयल अटलाटिस यहां गेस्ट्स को दिए जाते हैं सोने की कंधी-ब्रश

18 वें व 19वें फ्लोर पर रॉयल मैशन नामक प्रायवेट सुट्ट है। इस दो मंजिला लांजरी बुद्धि में एक डाइनिंगनीटी पूल, पर्सनल विपाट और लाइब्रेरी भी है। इसके प्लॉट द्वार की 100 साल पुराने आंतिम पैटों से सजाया गया है। इस सुट्ट में 12-16 लॉगों के रुपें की व्यवस्था हो सकती है। यहां एक रात रुपाने का किंवद्धा नामी 83 लाख रुपए है। यह दुनिया का सबसे बहुगत लांजरी सुट्ट बनाता है। यह सुट्टों की ऊंची 11 हजार वर्गफीट में फैलता हुआ है।

ज्यालामुखी के पत्थरों को सोने में डुबाकर देते हैं मसाज ज्यालामुखी के पत्थरों के लिए हाईस द्वारा बोने के ट्रॉपिकल, कवी और रेजर बनाए गए हैं। रिसोर्ट में 32 हजार वर्गफीट में वेलनेस परिया है। यहां पर 24 कैरेट गोल्ड फैशियल और गोल्डन आइर मसाज आगंतुकों को दी जाती है। गोल्डन मसाज में

ज्यालामुखी पत्थरों को सोने में डुबाया जाता है और सोने के अंक बाले अरोमारियों और लैथियों के लिए जाना जाता है, जहां बाले खाली लांजरी इमारत दुनियाभर में फैलती है, लैथिन इल बार दुबई का नाम एक अल्ट्रा लांजरी होटल-रिसोर्ट जैसे लैकर बाले में है, दुबई में खुला अटलाटिस रोयल हॉटेल में एक रात का जितना जावा लगता है, उत्तर में आप चम्पानामी मरिंडीज कार लारीद सकते हैं, इस अल्ट्रा लांजरी रिसोर्ट की ओपिनिंग सेरियनी के द्वारा प्रस्तुति के लिए दैर्घ्य अवधि की जैसी अपेक्षा आमतौर पर यात्रा वियास को तुलाया गया था।



सागरदा फैमेलिया:

141 साल से बन रहा स्पेन का ये चर्च, बनने के बाद होगा विश्व का सबसे ऊंचा चर्च

कार्लिनो गेगा प्रोजेक्ट के तैयार होने से 2-4 साल का समय लगाना तो आनंद है। लैकिन स्पेन के बासिलिया में एक ऐसी जगह है, जिस पर पिछले 141 सालों से काम चल रहा है। लैकिन अभी तक काम खत्ता नहीं हुआ है। यह इनाराह है सागरदा फैमिलिया नामक चर्च की। इस पर्यंत पर अभी भी काम चल रहा है। लैकिन अपेक्षित निर्माण की तारीख से जुड़े 12 लोगों की जान भी गई थी। इसके बाद तानाशाह फ्रान्सिस्को फ़ोंटो के शासनकाल में भी उसके निर्माण की प्रारंभिक प्राप्तिहारी हुई थी। साल 2026 तक इस चर्च का काम पूर्या होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

सिविल वॉर और महामारी की वजह से प्रभावित हुआ काम चर्च के बाबत की शुरुआत 1882 में हुई थी। लैकिन काम की शुरुआतों से काम पूरा नहीं हो पाया। 1926 में एक चौथाई काम ही हुआ था कि काम पर पहला ब्रेक लग गया। यांचोंक इसके मुख्य आर्किटेक्चर एटिनी गेंडी की भौतिक हड्डी थी। साल 1939 में स्पेनिश लिविल वॉर की वजह से भी काम रुका गया। उस चर्च के मॉडल को नुकसान पूर्चाया था। चर्च के निर्माण की तारीख से जुड़े 12 लोगों की जान भी गई थी। इसके बाद तानाशाह फ्रान्सिस्को फ़ोंटो के शासनकाल में भी उसके निर्माण की प्रारंभिक प्राप्तिहारी हुई थी। साल 2026 तक इस चर्च के नीचे से हाईस्पीड रेल परिवहन लोन्च ही, जिसके बाने पर प्रश्नाविन्द खड़े हो जाएं। चाद में काम लोरेना महामारी आने तक चल।

एक बुकसेलर का आया था इसे बनाने का विचार

इस चर्च के बनने का विचार बुकसेलर जॉसेप मारियो बोकेनो की आया था। वे प्रतिक्रियावाचक को समर्पित एक स्थल बनाना चाहते थे। इस प्रियाल वर्ष में कुल 18 टावर बनने हैं। इसमें से 12 टावर जीसस क्राइस्ट के शिष्यों को समर्पित होंगे। वही चार टावर प्रवारकों, एक बार्जिन मैरी व मुख्य टावर इंत्स नॉट्स की समर्पित होंगा। चर्च के तीन अंग्रेजी इंसान मसीह के जन्म, मृत्यु और नूरजन्म की प्रार्थित होंगे। इस चर्च के बाद यह दुनिया का सबसे ऊंचा चर्च बन जाएगा। टावर ऑफ जीसस क्राइस्ट ली कंधाई 565 फीट ऊंचे बनने हैं। चर्च की ऊंचाई 295 फीट ऊंचे बनने हैं। चर्च की ऊंचाई 295 फीट और नॉट्स 196 फीट हैं। यह चर्च दुनिया के विश्व विद्यालय स्थलों की सूची में भी प्राप्तिहारी है। किसाम से दिनों में इस चर्च में खाल साजावन की जाती है।

100 हाथियों के बराबर होता है बादलों का वजन

यथा कामी
आपको भी मन
हुआ है कि
बादलों के सम
ड़ावे पिछे। वा
र्ल्ड से हटके,
मुलायम, रुकेद
बादलों पर
बदकर यहीं सेर
पर निकल जाए।
खासकर हवाहृ
जहां के सकर
में जब लेन
बादलों के बीच से
गुजरता है, उस
समय तो जाने



किंतना होता है बादलों का वजन

बादलों का जन्म बेदूद दिलवस्य विषय है। आमतौर पर उनकी छहती छहती हैं जो मानने पर मानवूर कर देती हैं कि जमीन से लॉपेंट पूले हुए दिखाई देते हैं हैं जो बादल हनने की प्रक्रिया होती है।

किंतना होता है बादलों का वजन

बादलों का जन्म बेदूद दिलवस्य विषय है। आमतौर पर उनकी छहती छहती हैं जो मानने पर मानवूर कर देती हैं कि जमीन से लॉपेंट पूले हुए दिखाई देते हैं हैं जो बादल हनने की प्रक्रिया होती है।

है। असल में बादलों का जन्म बहुत अधिक होता है। औसतन, एक व्यूम्यलस प्राकार का बादल लगभग 1.1 मिलियन टन (लगभग 450,000 घिलोड़ाम या 450 टन) जन्मता है। इसे सरल शब्दों में समझें तो यह पूरी पर लगभग 100 हाथियों वा तीन विशालकाय ल्यू क्लेट के बादल के बादल द्वारा होता है। दिखने में हल्के लगने वाले इन बादलों का भारीपन उनकी अदृश्य भौतिक सरचना का प्रमाण है। वैश्वानिक बादल के बादल का अनुकान लगभग 100 अपेक्षाकरणीय कार्यालय है। उदाहरण के लिए, एक साधारण व्यूम्यलस बादल में पानी की मात्रा लगभग 0.5 याम प्रति बान मीटर होती है।

यदि बादल 1 किलोमीटर लंबे, चौड़े, और ऊंचे हों, तो इसका कुल जन्म 1.1 मिलियन टन होता है। इसके साथ ही यह एक बहुत बड़ा बादल होता है। अब सातल ये हैं कि बादलों के भारी होने के बाबाजूद वे आसामान में तैरते हैं। ये इसलिए सभभ होता है कि कौशिक गर्म हवा का प्रवाह और वायुमंडलीय दबाव बादलों को निरने से रोकते हैं। इसके अलावा, यह बादलों में पानी की दूरी आपस में मिलकर बड़ी हो जाती है तो वे आधिकारक बारिश या बार के रूप में गिर जाती हैं।

क्यों हल्के नजर आते हैं बादल

लौटते हैं बादलों के जन्म पर। अब बादल इनके भारी होते हैं तो दूसरे उनके हल्के होने का आधार स्थिर होता है। ये बादल इनके भारी होने के बाबाजूद होते हैं कि जो हो जाने वाले उनके नजर आते हैं। कबादलों का जन्म होने के कारण वे हवा से अधिक उत्तरावन बढ़ते हैं। इनकी लारण बादल अपने बाजन की बन्धुतित कर पाते हैं और आस-पास की हवा से दूर तक उड़ते हैं। तो अगली बार जब भी आप आसामान की तरफ देखें और आपको बादल नजर आए तो यह करिएगा यह ये नम, मूलायम, सुदर बादल असल में किंतने भारी भरकम है।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्समें

यहां गौजूद है दुनिया की सबसे छोटी गली, गिनीज रिकॉर्ड में भी है शामिल

जब कभी भी हम गलियों का निकल करते हैं तो हमारे जहां में लंबी और चुमावदार सड़कों की तरसीरी रामने आती है जो हमारे गांवों और शहरों का एक अहम हिस्सा होता है। लैकिन यह आपने कभी सोचा है कि दुनिया में एक ऐसी भी गली हो सक

